

**भेजा** पुं. (देश.) मस्तिष्क, दिमाग, मगज, मग्ज, खोपड़ी के तर मंडल और मन की क्रियाओं का केंद्र, गूदा स.क्रि. भेजना का भूतकालिक रूप।

**भेड़** स्त्री. (तद्.) 1. बकरी की जाति का चौपाया जीव जो दूध, ऊन और मांस के लिए पाला जाता है, मेष, गाडर 2. लाक्ष. सीधा-सादा और मूर्ख व्यक्ति, बिना परिणाम सोचे-समझे दूसरों का अनुसरण करने वाला।

**भेड़चाल** स्त्री. (देश.) 1. भेड़ों की चाल जिसमें हर भेड़ आगे वाली भेड़ का बिना किसी सोच-समझ के अनुकरण करती है 2. किसी समूह की ऐसी प्रवृत्ति जिसमें पहले कोई जिधर चल पड़े सभी उसके पीछे चल पड़ते हैं, अंधानुकरण की प्रवृत्ति, भेड़िया धसान।

**भेड़ा** पुं. (तद्.) नर भेड़, मेष, मेढ़ा, भेढ़ा।

**भेड़िया** पुं. (तद्.) 1. कुत्ते की जाति का एक जंगली पशु जो सामान्तया झुंड में घूमता है और आस-पास की बस्तियों से बच्चे, भेड़ बकरी आदि उठा कर ले जाता है, भेरुंड, वृक 2. ला. अर्थ अति धूर्त या चालाक व्यक्ति।

**भेड़िहर** पुं. (देश.) गड़ेरिया।

**भेड़ी** स्त्री. (देश.) नारी/ मादा भेड़, मेषी।

**भेतव्य** वि. (तत्.) जिससे भय लगता हो, जिससे डरना ही चाहिए, जिससे डरना सामान्य या स्वाभाविक है।

**भेद** पुं. (तत्.) 1. भेदने की क्रिया या भाव, बिलगाव, दारण, भेदन 2. छेदन, काटने/तोड़ने आदि से अलग करना, पृथकता, अलगाव 3. बेधना, विदीर्णन, फोड़ना 4. साँठ-गाँठ 5. गुप्त दोष 6. दुर्बलता 7. छिद्र 8. शत्रु को वश में करने के चार उपायों में से एक 9. रेचन, पेट के मैल को साफ करने की क्रिया 10. भीतरी/छिपी बात, रहस्य, तात्पर्य, मर्म 11. द्वेष, झगड़ा, तकरार 12. वर्ग, किस्म, द्वेतता 13. अंतरा संधि, दरार 14. विश्वासघात, धोखा।

**भेदक** वि. (तत्.) 1. भेदन करने वाला, नष्ट करने वाला, छेद करने वाला 2. काटकर, चीरकर तोड़कर या अन्यथा अलग कर देने वाला 3.

बेधने वाला, बेधक 4. विदीर्ण करने वाला, फोड़ने वाला 5. भीतरी बात या रहस्य या गुप्त को प्रकट करने वाला, भेद करने वाला या बताने वाला 6. रहस्य को सामने रखने वाला 7. विभाजित/अलग करने वाला, फूट डालने वाला 8. नाश करने वाला 9. विवेचन करने वाला 10. प्रकार/किस्म या वर्ग आदि का अंतर करने वाला 11. विरेचक, दस्तावर, दस्त लाने वाला।

**भेदकातिशयोक्ति** स्त्री. (तत्.) काव्य. अतिशयोक्ति नामक अर्थालंकार का एक भेद।

**भेदज्ञ** वि. (तत्.) भेद जानने वाला, रहस्य का जानकार।

**भेदज्ञान** पुं. (तत्.) 1. भेद का ज्ञान 2. द्वैतभाव का ज्ञान।

**भेदड़ी** स्त्री. (देश.) रबड़ी, बसौधी।

**भेददर्शी** वि. (तत्.) 1. भेद दिखलाने वाला 2. द्वैतवादी, जीवात्मा और संसार को ब्रह्म से भिन्न मानने वाला।

**भेददृष्टि** स्त्री. (तत्.) भेद को देख लेने वाली बुद्धि, भेदबुद्धि।

**भेदन** पुं. (तत्.) 1. भेदने की क्रिया या भाव 2. बेधना 3. छेदन 4. विदीर्णन 5. भेद लेने की क्रिया या भाव वि. (तत्.) 1. भेदने/छेदने/बेधने/तोड़ने/ फोड़ने वाला 2. दस्त लाने वाला, रेचक, वह पदार्थ जो पेट से सख्त या कड़े मल को भेदकर मल-द्वार से निकलना आसान कर दे. रेचक पदार्थ।

**भेदनीति** स्त्री. (तत्.) दूसरों में फूट डालने की नीति, भेद-भाव उत्पन्न करने या बढ़ाने की नीति।

**भेदभाव** पुं. (तत्.) 1. भिन्नता की भावना, अंतर, अलगाव या पृथकता का भाव 2. परस्पर प्रेम का अभाव, मतैक्य की कमी 3. भेद मानना या उसे अपनाना।

**भेदमाया** स्त्री. (तत्.) जीव में भेद-बुद्धि पैदा करने वाली ब्रह्म की माया।